संगीत में स्नातक(बी0ए0)				
उद्देश्य - *इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रारम्भिक ज्ञान(सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक पक्ष) देकर उनमें शास्त्रीय संगीत के ज्ञान की नींव डालना है।*				
द्वितीय सेमेस्टर हेतु माइनर वोकेशनल कोर्स का पाठ्यक्रम				
क्र0 सं0	**कोर्स का नाम**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
1	**भारतीय संगीत का परिचय एवं सिद्धान्त II एवं प्रयोगात्मक**	**BAMM(N)-121**	**100**	**4**
प्रथम खण्ड	**भारतीय संगीत का परिचय एवं सिद्धान्त II**		**50**	**2**
	इकाई 1 - भारतीय संगीत की अवधारणा।			
	इकाई 2 - भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास |			
	इकाई 3 - परिभाषा (श्रुति, स्वर, सप्तक, वर्ण , अलंकार, राग, आलाप, लय, लयकारी, मात्रा, ताल, ठेका, आवर्तन, सम, ताली, खाली व विभाग)।			
	इकाई 4 - गायन शैलियों (ध्रुवपद, धमार, ठुमरी, टप्पा, दादरा व होरी) का संक्षिप्त परिचय।			
	इकाई 5 - भारतीय संगीत के वाद्यों का वर्गीकरण|			
	इकाई 6 - भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का परिचय ; राग यमन का परिचय एवं छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत को तानों/तोड़ों सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7 - भातखण्डेताललिपि पद्धति का परिचय ; तीनताल का ठेका एवं उसको दुगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
द्वितीय खण्ड	**प्रयोगात्मक**		**50**	**2**
	इकाई 7 - भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त/सहायक संगीत वाद्यों का ज्ञान|			
	इकाई 8 - राग यमन का परिचय|			
	इकाई 9 - राग यमन में छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत, तानों/तोड़ों सहित |			
	इकाई 10 - तबले के वर्ण एवं उनकी वादन विधि।			
	इकाई 11- तबले के बोल एवं उनकी वादन विधि|			
	इकाई 12 - तीनताल का ज्ञान एवं पढन्त।			
	इकाई 13 - तीनताल के ठेकों को ठाह व दुगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 14 - हारमोनियम वाद्य पर 5 अलंकार तथा जन गण मन का प्रदर्शन|			
	इकाई 15 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
राग- यमन, ताल – तीनताल				